

देश की उपसना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए



www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

वर्ष : 04 अंक-87 : जौनपुर, शुक्रवार 20 मई 2022

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज -4 मूल्य : 2 रुपया

प्रदेश की 61 नदियों का मनरेगा से होगा पुनरुद्धार : बुंदेलखंड की 20 नदियां भी योजना में शामिल-कशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ व्यूरो : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्राम्य विकास विभाग ने बुंदेलखंड की 20 नदियों सहित 61 नदियों के पुनरुद्धार की योजना बनाई है। इस कार्य को एक साल के भीतर पूरा करने की रणनीति पर काम किया जाए। मौर्य बृहस्पतिवार को विधान भवन शिखर आगे कार्यालय में इस योजना की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विलोप होने के कारण पर पहुंच रही नदियों का पुनरुद्धार करना जल संरक्षण के दृष्टि से बहुप्रयोगी सिद्ध होगा और मनरेगा के माध्यम से अधिकारियों को रोजगार भी मिलेगा। इस कार्य से पीने व सिंचाई के लिए पानी भी आसानी से उपलब्ध हो सकती। इसका कृषि, वनियों आदि पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। यहीं नहीं इनके निकटवर्ती तालाब, पोखर भी नन्दियों के पानी से भरे जा सकेंगे। समीक्षा के दौरान ग्राम्य विकास विभाग की अधिकारियों



भीमराव आंडेकर विश्वविद्यालय लखनऊ से सलाह लेने की योजना भी बनाई गई है। अपर आयुक्त मनरेगा योगेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2018 से नदियों के पुनरुद्धार का कार्य किया जा रहा है। अब तक 2,616 किमी लंबाई में नदियों का पुनरुद्धार का कार्य करारे हुए 13,205 लाख रुपये की धनराशि खर्च की गई है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा चैबर में एन.एच. एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

जौनपुर व्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा चैबर में एन.एच. एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से जनपद के निर्माणाधीन सड़कों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जो भी सड़कें बन रही हैं समय से पूर्ण हो और उनकी गुणवत्ता अच्छी रहे, यह सुनिश्चित कर ले। जिलाधिकारी के द्वारा नईगंगा, जगदीशपुर में बनने वाले आर वो वी के प्रगति की समीक्षा की और कहा कि प्राथमिकता पर कार्य कराया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा जनपद में रिंग रोड बनाए जाने पर कार्यालयों का निर्वाचन दिया गया है। सर्विस लेने जो भी अधूरे हैं उन्हें भी शीघ्र



पूर्ण कराने के निर्देश दिया। सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में निर्देश दिया की जगह-जगह पर साइनेज बोर्ड, रस्मल स्ट्रीट लगाए जाए। जिलाधिकारी ने बदलापुर में एन.एच. के द्वारा बनाये जाने वाले पार्क के सम्बन्ध में जानकारी ली और कहा कि आवश्यक कार्यालय पूर्ण करारे हुए जल्द से जल्द कार्य शुरू कराएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व उसका विवरण दिया, एन.एच. के टेक्निकल मैनेजर जितन, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी जैनुराम, एकसीरीन एन.एच. डिविजन वाराणसी ए०क० सिंह सहित अन्य अधिकारियों का निर्वाचन दिया कि योजना बनाकर रिपोर्ट दे ताकि

लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्रीय लोगों में दहशत समेत अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी सूचना शौचालय की देखरेख कर रही है खेता रिंग द्वारा सुरुई पुलिस को दी गई थी। आरोप है कि सूचना के बाद भी पुलिस उत्तम मामले में अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया। वही बीते वृहस्पतिवार को भानपुर गांव निवासी शशिकांत पटेल के मरीन का सेंध काटकर चोरों ने घर में घुसकर अंदर रखे सभी कीमती सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं बीते रविवार शिव लोचन के स्टेबलाइजर स्टार्टर उत्ता ले गए व भोला पटेल के मशीन का ताला तोड़कर चोर 15 किलो पाइप सहित 80

बीजा के नाम 7 युवकों से दो लाख 80 हजार रुपये पर मोबाइल किया बंद

जौनपुर व्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : एक के बाद एक लगातार हो रही चोरिया पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते नजर आ रहे हैं। वही घटना के बाद पीड़ितों की सूचना पर भी पुलिस चोरियों के मामले में कोई कार्रवाई करना उचित नहीं समझती है। जिसे लेकर चोरों का हौसला बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोशी भी दिख रही है। विदेशी की बीते बुधवार / गुरुवार के देर रात चोरों ने पृथ्वीपुर समुदायिक शौचालय में होने वाले इकार कर रही है।

फिलहाल पुलिस मामला संज्ञान में होने वाले इकार कर रही है। चोरियों को खेतासराय तथा कोरकरत थाने में तहरीक दी जा रही है। फिलहाल पुलिस मामला संज्ञान में होने वाले इकार कर रही है। चोरियों को खेतासराय तथा कोरकरत थाने में तहरीक दी जा रही है। आरोपी ठग का भाई पैसा देने वाले युवकों को दिल्ली मैडिकल कराने भी ले गया था। लेकिन एक माह बीत जाने

अब हेलमेट पहनने के बावजूद कट सकता है 2 हजार रुपये का चालान : जानें क्या है नया रूल

गोरखपुर व्यूरो राजनारायण ओड्डा : बिना हेलमेट पहने बाइक चलाने पर चालान होने की बात तो आपने सुनी होगी। लेकिन अब हेलमेट (भ्रासउमज) पहनकर चलने के बावजूद आपका चालान कट सकता है यह चालान भी कोई छोटा-मोटा नहीं बल्कि 2 हजार रुपये का होगा। आप यह बात पढ़कर हैरान हो रहे होंगे लेकिन यह सच है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने संशोधित नियमों को नोटिफाइड कर दिया है। मंत्रालय के नियमों के मुताबिक देश में दोषप्रिय वाहनों के लिए केवल BIS-प्रमाणित हेलमेट के निर्माण और बिक्री की अनुमति है। यानी आपको बाइक-स्कूटर चलाते वक्त केवल ISI मार्क वाले हेलमेट ही पहनना होगा। अगर आप दोषप्रिय चालाते वक्त कोई घटिया क्वालिटी का या बिना ISI मार्क वाले हेलमेट पहने मिलते हैं तो मोटर स्कूटर का एकट की धारा 194D MVA के तहत आप पर 1 हजार रुपये का चालान किया जा सकता है। यहीं नहीं, अगर आपने इस्टेमाल करना अनिवार्य होगा। यह बैलंट बच्चों को चलाते बाइक-स्कूटर पर गिरने से रोकती है। इसके साथ ही बच्चों के साथ ट्रैक्वल करने पर वाहनों की स्पीड भी 40 किमी प्रति घंटा नियत कर दी गई है। ऐसा न करने पर ड्राइविंग लाइसेंस 3 महीने तक सस्पेंड करने के साथ ही 1 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया जा सकता है।



साइबर सेल व थाना शाहगंज की संयुक्त टीम द्वारा सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाकर युवकों का अश्लील वीडियो एवं फोटो वायरल करने वाला अभियुक्त गिरफतार

जौनपुर व्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा साइबर साइबर विश्वप्रकाश की रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियन्ता के क्रम में 30 सजाय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में साइबर सेल व थाना शाहगंज की संयुक्त टीम द्वारा एक अभियुक्त को गिरफतार करने में सफलता प्राप्त हुई। दिनांक-18.05.2022 को एक युवकों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के संश्लेषण के बावजूद भी प्रति घंटा 78-22 धारा-67, 67। आईडीएक्ट एवं



504, 506 आईपीसी पंजीकृत किया गया। अभियुक्त उपरोक्त की गिरफतारी से इस तरह के अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। पूछताछ विवरण- अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि अभियुक्त आवेदिका को पसंद करता है तथा पता लगा की आवेदिका की शादी होने वाली है जिससे मैं परेशान हो गया था। वह पर गर्म लगने के बाद दोनों स्नान करने के लिए बगल तालाब के पानी में घुसे गए मैं जाने के कारण शिव ढूब गया जबकि उसका साथी इंद्रेश(90) स्नान करने के बाद बाहर निकलकर शोर मचाया तो लोगों ने पानी में घुस कर उसे बाहर निकलकर निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही लेखाल और तेलपाल और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घटना का पंचानाम भरकर पोस्टमार्टन के लिए भेजा गया। दोनों बच्चे गांव के स्कूल में कक्षा 5 में पढ़ते थे। घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक अवधीनी राय का कहना है कि उक्त बालक पैरिसलने से तालाब के पानी में ढूब गया जिससे उसकी मृत्यु हो गई है। शव को पोस्टमार्ट लिये भेजा गया।

504, 506 आईपीसी पंजीकृत किया गया। अभियुक्त उपरोक्त की गिरफतारी से इस तरह के अपराधों पर फ्रांसीसी अंकुश लगेगा। पूछताछ विवरण- अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि अभियुक्त आवेदिका को पसंद करता है तथा पता लगा की आवेदिका की शादी होने वाली है जिससे मैं परेशान हो गया था। शादी तोड़ावाने के उद्देश्य से उसके नाम से फेक आईडी बनाकर उसके फोटो एवं वीडियो बनाकर प्रसारित किया जा रहा है। प्रार्थना पर पर तत्काल कार्यालयी / गिरफतारी होते ही विरुद्ध पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा साइबर सेल को आदेशित किया गया। जिसपर कार्यालयी करते हुए उसके नाम से फेक आईडी बनाकर उसके फोटो से छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर प्रसारित करने लगा ताकि उसकी शादी न हो सके। गिरफतार अभियुक्त 1-मो 10 सारिक प्रुव मो 10 रुस्टम निवासी एम-1. श्री सुधीर कुमार आर्या, प्र०१० थाना शाहगंज जनपद जौनपुर। 2. श्री रामजनम यादव, प्रभारी सर्विलास सेल जौनपुर। 2. श्री अम प्रकाश जायसवाल, साइबर सेल जौनपुर।

जिलाध

सम्पादकीय

चीन का नया पैंतरा : पैंगोंग झील के पास नया पुल बनाने की तैयारी

आज, जैसा कि हम मानते हैं कि चीन स्वीकृत एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर से पीछे हट जाएगा, लेकिन हमें लंबी अवधि के गतिरोध के लिए तैयार रहना चाहिए। चीन के नेता अपनी छवि खराब नहीं होने दे सकते। इसलिए वार्ता और शांति-निर्माण मॉडल के माध्यम से नई दिल्ली के राजनीतिक दृष्टिकोण की समीक्षा की जानी चाहिए।

चीन द्वारा पैंगोंग झील के पास अपने कब्जे वाले क्षेत्र में एक और नया पुल बनाने की जानकारी हैरान करने वाली है। उपग्रह द्वारा ली गई तस्वीर से यह जानकारी सामने आई है। इससे भारतीय सीमा के पास चीन अपने हथियारबंद वाहन और टैंक आसानी से ला सकेगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी वह पैंगोंग झील पर एक पुल बना चुका है। करीब 500 मीटर लंबा वह पुल लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी तट पर स्थित है, जिस पर चीन ने 1962 में अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। जाहिर है, बातचीत के बावजूद चीन अपनी खतरनाक मंशा जारी रखे हुए है।

थलसेना की पूर्वी कमान के प्रमुख आरपी कलिता ने पिछले ही दिनों यह खुलासा किया था कि चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' (पीएलए) अरुणाचल प्रदेश के पास स्टी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अपनी क्षमता बढ़ा रही है। तिब्बत क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के उस पार बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़ा काफी काम हो रहा है। भारतीय सीमा पर चीनी सैनिकों की ऐसी हरकतों से सवाल उठता है कि अधिकर चीन ऐसा क्यों कर रहा है और उसकी मंशा क्या है। इसे समझने के लिए यह देखना होगा कि दांव पर आधिकर कौन-कौन से मुड़े हैं।

पहला, भारत के उभार को सीमित करने और भारत के साथ अपनी सीमा को अपने हित में निर्धारित करने का लक्ष्य चीन का लंबे समय से रहा है, क्योंकि वह लद्दाख के पूर्वी हिस्सों में कथित सीमा रेखा से परे क्षेत्र पर धीरे-धीरे कब्जा कर रहा है। ऐसा वह इस क्षेत्र में अधिक से अधिक जमीन हाथियाने के लिए करता है, ताकि वह अपने महत्वपूर्ण सड़क लिंक (राजमार्ग 219) को और आगे बढ़ा सके, जो सिंकियांग के काशगर को तिब्बत के ल्हासा से जोड़ता है।

इसके अलाग, अक्साई चिन क्षेत्र गलवां नदी (जहां अभी वे डटे हैं) के उत्तर से काराकोरम दर्जा तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए चीन की बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जहां उन्होंने शक्सगाम घाटी के लिए एक प्रमुख संपर्क मार्ग बनाया है, जिस पर वह 1963 से कब्जा जमाए हुए है। दूसरा, चीन हमेशा से लद्दाख क्षेत्र में ज्यादा जल संसाधनों की तलाश कर रहा है, क्योंकि सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है और लद्दाख से पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) तक जाती है।

चीन का एजेंडा इस क्षेत्र में अधिक से अधिक पानी तक पहुंच बनाना है, क्योंकि चीन को माइक्रोचिप्स बनाने के लिए प्रचुर मात्रा में पानी की आवश्यकता है। चूंकि 30 वर्ग सेमी सिलिकॉन वेफर्स बनाने के लिए दस हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए चीन सिंधु नदी का पानी हासिल करना चाहता है और जिसे अपने भू-राजनीतिक एवं आर्थिक लाभ के लिए पाकिस्तान उसे दे सकता है। वर्ष 2018 में चीन ने अमेरिका, जापान और ताइवान से 230 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के माइक्रोचिप्स का आयात किया था। लेकिन अब वह इसे खुद बनाना चाहता है।

असल में कश्मीर के पानी पर चीन की नजर 1950 के दशक से ही रही है, इसलिए उसने 1954 में अक्साई चीन पर कब्जा किया था। अब चीन पीओके में सिंधु नदी पर पांच प्रमुख बांधों के वित्तपोषण पर सहमत हो गया है। लगता है कि चीन ने यह मान लिया है कि भारतीय सैनिक उस पर गोली नहीं चलाएंगे, क्योंकि अतीत में इस तरह की घुसपैठ होने पर भारत ने राजनीतिक माध्यम से इसे हल करने की कोशिश की थी। लेकिन जब चीनी सैनिक हमारे जवानों, हमारे सड़क बनाने वाले निहाय कर्मचारियों, को धमकाएं, तो यह मानक प्रक्रिया नहीं हो सकती कि चीनी हरकतों के बाद हम बातचीत करें और फिर घोषणा करें कि सब कुछ ठीक हो गया है।

अफसोस की बात यह है कि भारत ने चीन के मोर्चे पर दशकों तक अपनी सीमा के बुनियादी ढांचे को यह सोचकर विकसित नहीं किया था कि सीमाओं पर खराब सड़कों होने से 1962 की तरह आक्रमण होने की स्थिति में भारतीय क्षेत्र में चीनी सैनिकों की पहुंच बाधित होगी। तब से अब तक काफी कुछ बदल चुका है। ध्यान रखना चाहिए कि भारत की सेना अब पहले जैसी नहीं है, जिसे चीन ने 1962 में कुचल दिया था, जब पंडित नेहरू और कृष्ण मेनन ने इसे सामरिक लड़ाई लड़ने की अनुमति नहीं दी थी।

हालांकि, हेंडरसन ब्लक्स की रिपोर्ट, जिसमें 1962 में केवल सैन्य परायज्य के कारणों को देखा गया था (राजनीतिक विफलताओं को नहीं), देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक रहस्य है। सारुद ब्लॉक में इसकी प्रतिलिपि है और हमारे जनरलों की इस तक पहुंच है, और उन्होंने इससे काफी सबक सीखा है। इसलिए 1967 में नाथूला पर भारत का सख्त रुख (जिससे कई चीनी और भारतीय सैनिक मारे गए) और फिर सोमदुरुंग चूं में चीनी घुसपैठ होने पर 1987 में जनरल सुंदरजी द्वारा सैनिकों के तेजी से एयरलिफ्ट की घटना को दोहराया जा सकता है।

दोनों ही मामलों में चीन को पीछे हटना पड़ा था। आज, जैसा कि हम मानते हैं कि चीन स्वीकृत एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर से पीछे हट जाएगा, लेकिन हमें लंबी अवधि के गतिरोध के लिए तैयार रहना चाहिए। चीन के नेता अपनी छवि खराब नहीं होने दे सकते। इसलिए वार्ता और शांति-निर्माण मॉडल के माध्यम से नई दिल्ली के राजनीतिक दृष्टिकोण की समीक्षा की जानी चाहिए। विशेष रूप से लद्दाख मोर्चे पर सीमा निर्धारण में इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है, क्योंकि किस रेखा का पालन करना है, इसको लेकर मतभेद है।

अब समय आ गया है कि हम सीमा निर्धारण के लिए एक नया तंत्र विकसित करें, क्योंकि कई दोर की बातचीत के बावजूद कोई हल नहीं निकला है। यदि नहीं, तो क्या सख्त रवैये वाली सौदी सरकार चीनी नेता से बात करने के लिए तैयार हैं? और क्या इससे कारगिल जैसा एक और संघर्ष होगा? इसे खारिज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि चीन तभी आपका सम्मान करेगा, जब आप ताकत के साथ बात करेंगे।

ये लेखक के अपने विचार हैं।

जनपद के महान स्वतंत्रता सेनानियों ने आंदोलन में भाग लिया : जेल में अंग्रेजों की यातनाएं सही —मंत्री

हरदोई। (अम्बरीष कुमार सक्सेना) गांधी भवन सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जनपद के अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवनी का अध्ययन करें और उनके मार्ग दर्शन पर चलने का प्रयास करें। दिग्दर्शन वीथिका कार्यक्रम के आयोजक नार मजिस्ट्रेट डा० सदानन्द गुप्ता ने मात्र मंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद के 42 अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में इस



कार्यक्रम को भव्य रूप दिया गया है ताकि नवयुवक/युवतियां एवं छात्र/छात्रायें देश की आजादी में अहम योगदान देने वाले अपने जनपद के अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारी प्राप्त कर सकें। इसके सभी अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विचरण के साथ उनके जीवन परिवर्तन में लिखा कर प्रदर्शनी लगायी गयी है। कार्यक्रम में आर्यकन्या विद्यालय की छात्राओं ने सरसवी वन्दना एवं स्वागत की आयोगत गाया था। ज्यादा जल योगदान दिया गया है। योगदान निरन्तर देते हैं। उन्होंने कहा कि हम सब जनपदवासियों के जनपद के अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को हमेशा याद रखना चाहिए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने अमर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवन पर लगायी

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बैनर तले पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों की बैठक

बैठक में नामजद अभियुक्तों की शिरपतीरी का भी विषय उठाया। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने बैठक में कहा था कि व्यापार मंडल के पदार्थकारियों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए बिना उनकी सहमति के बाजारों की बैठिंग जोन की घोषणा ना की जाए तथा बैठिंग जोन के अतिरिक्त कहीं भी अस्थाई दुकान ना लगाइ जाए। बैठक को संबोधित करते हुए डीसीपी उत्तरी एस.



चिनपा ने व्यापारियों से बाजारों में सीसीटीवी कैमरा लगाने की अपील की तथा व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों के सामने से स्वयं के अतिक्रमण को हटाने की अपील की, व्यापारियों ने एक स्वर में अपना चारों तट के व्यापारी इकबाल हसन ने फैजाबाद रोड पर अवैध रूप से लगाई जा रही अस्थाई दुकानों का मुद्दा उठाया, इंजीनियरिंग कॉलेज के अध्यक्ष संजय ठंडन ने इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर बड़ी संख्या में सड़कों पर नॉनवेज की दुकानें लगाने का आदेश के बावजूद व्यापारियों ने व्यापारियों से अपनी चारों तट के समान स्वयं के अतिक्रमण को हटाने की अपील की तथा व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों के सामने से स्वयं के अतिक्रमण को हटाने की अपील की तथा व्यापारियों से अपनी चारों तट के व्यापारियों से अपनी चारों तट के समान स्वयं के अतिक्रमण को हटाने की अपील की तथा व्यापारियों से अपनी चारों तट के व्यापारियों से अपनी चारों तट के समान स्वयं के अतिक्रमण को हट

